साहित्य संहिता
Available at http://www.sahityasamhita.org/
ISSN 2454-2695
Volume 02 Issue 04
April 2016

आज पहली मुलाकात में

सीमा कुमारी

आज पहली मुलाकात में
बात बात में
तुने जाने क्या जादू किया
अपरिचित अनजाने थे
तुने क्या पहचल बना ली
क्या कभी था हमें पता
हम ऐसे मिलेंगे
अरमानों के यूँ फुल खिलेंगे
जाने कब तुने अपना बना लिया
मेरा दिल चुरा लिया
दिल के पंछी को आजाद किया
जो था कैद व्यस्त जीवन में
आज पहली मुलाकात में
यु ही बात बात में ……